साक्षरता जागरुकता कार्यक्रम

दिनांकः 04 सितम्बर, 2024

कार्यक्रम प्रतिवेदन

आयोजक

महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

साक्षरता जागरुकता कार्यक्रम
04 सितम्बर, 2024

अध्यक्ष
आचार्य सत्यकाम
माननीय, कुलपति, उ0प्र0राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुख्य अतिथि
श्रीमती सीमा सत्यकाम

मुख्य वक्ता
डॉ. त्रिविक्रम तिवारी,
सहायक– प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

कार्यक्रम निदेशक
प्रो0 आशुतोष गुप्ता
निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा

संयोजक
प्रो. श्रुति,
प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

सह–संयोजक
डॉ. आनन्दानन्द त्रिपाठी
सह–प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

आयोजन सचिव
डॉ. साधना श्रीवास्तव
सहायक– प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

सह आयोजन सचिव
डॉ. त्रिविक्रम तिवारी
सहायक– प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

आयोजन समिति
डॉ. स्मिता अग्रवाल, सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. अतुल कुमार मिश्रा, सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
श्री राजेश गौतम सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ अनिल कुमार यादव, सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. धर्मवीर सिंह, सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. आर.पी. सिंह, सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. दीपा चौबे, सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. दीपमाला गुप्ता, सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

कार्यक्रम सहयोगी सदस्य
श्री अंकित मिश्रा, श्री अनूप कुमार, श्री अमित शर्मा व श्री संतोष कुमार

अनुक्रमणिका

1. प्रतिवेदन
2. मुख्य वक्ता का वक्तव्य

परिशिष्टियाँ (1 से 5)

1. समाचार पत्रों की सुर्खियाँ (परिशिष्ट–1)
2. मुक्त चिंतन (परिशिष्ट–2)
3. उपस्थिति पत्रक (परिशिष्ट–3)
4. प्रेषित पत्र (परिशिष्ट–4)
5. कार्यक्रम की झलकियाँ (परिशिष्ट–5)

साक्षरता जागरुकता कार्यक्रम प्रतिवेदन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के माननीय कुलपति आचार्य सत्यकाम के निर्देशानुसार दिनांक 12.08.2024 को महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र का पुर्नगठन किया गया। इसी क्रम में पुर्नगठित केन्द्र का प्रथम कार्यक्रम विज्ञान विद्याशाखा द्वारा गोद लिये गाँव गोहरी के मोहनगंज फुलवरिया ऑगनबाड़ी केन्द्र में दिनांक 04 सितम्बर, 2024 को 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' के अन्तर्गत सितम्बर माह में शिक्षक दिवस के पूर्व दिवस में 'साक्षरता जागरुकता कार्यक्रम' के रुप में आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य लोगों को साक्षर होने, सामाजिक और मानव विकास के अपने अधिकारों को जानने की आवश्यकता के बारे में जागरुक करना है।

परिवर्तनशील दुनिया में साक्षरता को बढ़ावा देने का उद्देश्य स्थायी और शांतिपूर्ण समाज की नींव का निर्माण करना होता है। विदित है कि सितम्बर माह को साक्षरता माह के रुप में जाना जाता है, भारत में 05 सितम्बर शिक्षक दिवस एवं 8 सितम्बर विश्व साक्षरता दिवस के रूप में मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र के शैक्षणिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) ने नवम्बर 1965 में साक्षरता अभियान को एक दिवस के रुप में बनाने का फैसला किया था। अगले ही साल 8 सितम्बर को नई दिल्ली में

1966 में पहली बार विश्व साक्षरता दिवस मनाया गया था। भारत में साक्षरता मिशन की स्थापना 5 मई 1988 को तत्कालीन प्रधानमंत्री ने की थीं। इसका उद्देश्य 2007 तक 15 से 35 आयु वर्ग के निरक्षर लोगों को व्यावहारिक साक्षरता प्रदान करते हुए 75 प्रतिशत साक्षरता का लक्ष्य हासिल करना था। कई राज्य अभी भी लक्ष्य प्राप्ति की ओर अग्रसर हैं।

2011 की जनगणना के अनुसार देश में साक्षरता में लगातार वृद्धि हो रही है। देश में साक्षरता 74.04 फीसदी थी जिसमें 82.14 फीसदी पुरुषों और महिलाओं के लिए 65.46 फीसदी है। केरल में 93.91 प्रतिशत की साक्षरता दर, लक्ष्यद्वीप में 92.28 फीसदी और मिजोरम में 91.58 प्रतिशत है। बिहार की साक्षरता दर 63.82 फीसदी, अरुणाचल प्रदेश की 66.95 फीसदी और राजस्थान की 67.06 प्रतिशत है।

2011 की जनगणना के अनुसार उत्तर प्रदेश की साक्षरता दर करीब 67.72 फीसदी है। इसमें पुरुषों की 77.3 फीसदी तथा महिलाओं की 57.20 फीसदी है। प्रयागराज की साक्षरता दर 72.3 फीसदी जहाँ पुरुषों की साक्षरता दर 85 फीसदी तथा महिलाओं की 62.67 फीसदी है।

उपरोक्त के क्रम में पुर्नगठित महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र द्वारा साक्षरता दर में वृद्धि हेतु यह जागरुकता कार्यक्रम को आयोजित किया गया । साक्षरता जागरुकता कार्यक्रम आयोजन के प्रारम्भ में डॉ. आनन्दानन्द त्रिपाठी, सह–प्रभारी महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र ने ऑगनबाड़ी में उपस्थिति सभी महिलाओं तथा बच्चों का स्वागत एवं अभिनन्दन किया तथा कार्यक्रम के महत्व के बारे में बताया।

जागरुकता कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती सीमा सत्यकाम रहीं। उक्त कार्यक्रम में श्रीमती सीमा सत्यकाम जी ने महिलाओं से उनकी शिक्षा तथा कौशल एवं अन्य विषयों पर चर्चा की तथा साथ ही उनकी शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए उन्हें प्रेरित किया तथा बताया कि उनके शिक्षण एवं प्रशिक्षण का लाभ उनके परिवार तथा आस–पास की महिलाओं के साथ–साथ आस–पास के गॉवों की महिलाओं को भी मिलेगा, जिससे ग्रामीण महिलाओं का भी विकास होगा। महिलायें कौशल से सम्बन्धित

विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों से लाभ प्राप्त कर अपने परिवार को भी उन्नत बना सकती हैं

कार्यक्रम संयोजक प्रो0 श्रुति, प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र ने ऑगनबाड़ी की कार्यकर्त्रियों, सहायिकाओं तथा वहाँ उपस्थिति महिलाओं एवं बच्चों को डायरी, पेन वितरित किया तथा उनके पौष्टिक जलपान की व्यवस्था की गयी। प्रो0 श्रुति ने भी वहाँ उपस्थिति लोगो को शिक्षा के महत्व से अवगत कराया। साथ ही यह बताया कि एक शिक्षित महिला की भूमिका समाज को सुदृढ़ एवं विकसित बनाने में सहायक होती है।

उन्होंने कहा कि आज की प्रगतिशील दुनिया में साक्षर होना अब सिर्फ पढ़ने, लिखने और समझने तक ही सीमित नहीं रह गया है बल्कि विकसित होते डिजिटल युग ने कई प्रकार की साक्षरताओं को परिभाषा में ला दिया है। जिसके प्रति भी सभी को जागरुक रहने की आवश्यकता है। उदाहरणस्वरुप भाषाई, दृश्य, डिजिटल, श्रव्य, तकनीकी तथा स्थानिक साक्षरता हैं। भाषाई साक्षरता से तात्पर्य लिखित और मौखिक दोनों तरह के शब्दों के माध्यम से प्रभावी ढंग से संवाद करने की क्षमता से है। इस

प्रकार की साक्षरता हमारी शिक्षा प्रणाली और दैनिक एवं कार्यस्थलीय जीवन के लिए जरुरी है। ये न केवल कार्यस्थल में महत्वपूर्ण है है, बल्कि यह हमारे सामाजिक जीवन में भी आवश्यक है।

दृश्य साक्षरता, जो कि दृश्य सामग्री की व्याख्या करने और उसे बनाने की क्षमता का विकास है। साक्षरता का यह रूप आजकल तेजी से महत्वपूर्ण होता जा रहा है क्योंकि हम लगातार छवियों और विडियों से घिरे रहते हैं। दृश्य साक्षरता के माध्यम से हमें प्रभावी ढंग से संवाद करने में मदद मिलती है और यह चीजों को आसानी से समझने में तथा दृश्य सामग्री का आलोचनात्मक विवेचना तथा विश्लेषण करने में सहायक होती है। डिजिटल साक्षरता का मतलब है, सभी डिजिटल तकनीकों का प्रभावी तथा सुरक्षात्मक ढंग से उपयोग करने की क्षमता के विकास में सहायक होना। डिजिटल साक्षरता भी आज के आधुनिक युग में अत्यन्त महत्वपूर्ण है। ऑडियो साक्षरता से मतलब है कि जिसमें हमें ऑडियों सामग्री की व्याख्या करने और उसे बनाने में की क्षमता से है।

तकनीकी साक्षरता, नई–नई तकनिकियों तथा नवाचार करने के लिए नवीन प्रौद्योगिकी को सुगम तथा सुरक्षित रुप से उपयोग करने की क्षमता का विकास करना है। जैसे–जैसे तकनीकी (Technology) आगे बढ़ रही है, यह महत्वपूर्ण होता जा रहा है कि लोग नई तकनिकी से अवगत हो।

उन्होने बताया कि 21वीं सदी में साक्षरता की एक श्रृंखला विकसित करने की आवश्यकता पहले से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण है। प्रत्येक प्रकार की साक्षरता की अपनी प्रासंगिकता और महत्व है, जो सीधे तौर पर हमारे जीने, काम करने और सामाजिक व्यवहार को प्रभावित करती है, चाहे वह ऑनलाइन हो या ऑफलाइन। स्वयं को अपने सहकर्मियों को और अपने बच्चों को इन जरुरी साक्षरता कौशलों को विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करना तेज़ी से बदलती दुनिया में सुरक्षित रूप से सफलता सुनिश्चित करने के लिए जरुरी है। उन्होनें साक्षरता के सभी प्रकारों से महिलाओं तथा बालिकाओं को अवगत कराया ताकि वे भविष्य में स्वावलम्बी बन सकें।

केन्द्र के सहायक प्रभारी एवं आज के कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. त्रिविक्रम तिवारी ने महिलाओं को विश्वविद्यालय में जुड़ने हेतु प्रेरित किया उन्होंने सरकार द्वारा चलाई जा रही 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' योजना के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही कहा कि जिस प्रकार विश्वविद्यालय महिलाओं को शिक्षित बनाने एवं उनकी उन्नति के लिए कार्य कर रहा है उसी प्रकार महिलाओं को भी विश्वविद्यालय की गतिविधियों से जुड़ना चाहिए। एक पढ़ी–लिखी महिला अपने बच्चों की शिक्षा पर स्वंय ध्यान दे सकती है। महिलाओं एवं बेटियों की साक्षरता आने वाली पीढ़ियों की उन्नति में सहायक होती हैं। इनके साक्षर होने से समाज एवं राष्ट्र भी उन्नति करेगा।

साथ ही, उन्होंने महिलाओं को विश्वविद्यालय में संचालित कौशल विकास केन्द्र से जुड़ने के लिए प्रेरित किया तथा उन्हें उनके कौशलों को परिमार्जित कर नये–नये जीवनोपयोगी हुनर के सम्बन्ध में प्रशिक्षण दिये जाने वाले कार्यक्रमों से अवगत कराया। जिससे महिलायें भी प्रशिक्षण प्राप्त कर आर्थिक रुप से स्वावलम्बी बन सके।

कार्यक्रम के समापन में आयोजन सचिव, डॉ. साधना श्रीवास्तव ने समस्त उपस्थिति लोगों का धन्यवाद किया तथा इस धन्यवाद् देने के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

इस अवसर पर कार्यक्रम की मुख्य अतिथि, श्रीमती सीमा सत्यकाम, कार्यक्रम की संयोजक प्रोफेसर श्रुति, प्रभारी महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र, सह प्रभारी डॉ. आन्नदानंद त्रिपाठी, सहायक प्रभारी डॉ. साधना श्रीवास्तव एवं डॉ. त्रिविक्रम तिवारी तथा सदस्य श्री राजेश गौतम, डॉ अनिल कुमार यादव, डॉ. धर्मवीर सिंह, डॉ. दीपा चौबे, डॉ. दीपमाला गुप्ता, तथा कार्यक्रम सहयोगी श्री अंकित मिश्रा, श्री अनूप कुमार, श्री अमित शर्मा व श्री संतोष कुमार के साथ साथ गोहरी प्राथमिक विद्यालय के अध्यापिकागण तथा ग्रामीण अंचल की महिलायें, बच्चें, मोहनगंज फुलवरिया गोहरी, प्राथमिक विद्यालय ऑगनबाड़ी केन्द्र की कार्यकत्रियाँ प्रियंका पाण्डेय, सुनीता देवी एवं सहायिकाओं राजकुमारी, शान्ति देवी उपस्थित रहें। उपरोक्त कार्यक्रम में सभी ने पूर्ण मनोयोग से कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी भूमिका निभायी।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में कुलसचिव श्री विनय कुमार, वित्त अधिकारी श्रीमती पूनम मिश्रा एवं विश्वविद्यालय के विज्ञान विद्याशाखा द्वारा गोद लिये गॉव गोहरी के निदेशक प्रो0 आशुतोष गुप्ता का अत्यन्त महत्वपूर्ण योगदान रहा।

कार्यक्रम का आयोजन ग्रामीण महिलाओं एवं बच्चों के बीच साक्षरता को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से ऑगनबाड़ी में आयोजित किया गया।

महिलाओं का साक्षर होना आवश्यक

सभी को नमस्कार,

उत्तर प्रदेश की महामहिम राज्यपाल एवं उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की माननीया कुलाधिपति श्रीमती आंनदीबेन पटेल की प्रेरणा से विश्वविद्यालय में महिला अध्ययन केन्द्र की स्थापना हुई है और आज हम इस केन्द्र के कार्यक्रम में यहां उपस्थित हुए हैं। माननीया कुलाधिपति जी का मानना है कि विश्वविद्यालयों को महिलाओं के उत्थान एवं सशक्तीकरण से जुड़कर समाज की प्रगति में अपना सार्थक योगदान देना चाहिए और इसी संदर्भ में हम आज महिला साक्षरता के महत्व पर चर्चा करने के लिए यहाँ एकत्रित हुए हैं।

हम भारतीय परम्परा के लोग हैं। हमारी संस्कृति हमें महिलाओं के सम्मान का पाठ पढ़ाती है। हमें अन्न चाहिए होता है तो हम धरती मां को पूजते हैं। धन, संपदा, वैभव चाहिए तो लक्ष्मी मां को पूजते हैं। विद्या चाहिए होती है तो शारदा मां को पूजते हैं। शक्ति चाहिए होती है तो दुर्गा मां को पूजते हैं अर्थात् हमें इस दुनिया में जीवन की समस्त आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए मातृ शक्ति की शरण में जाना पड़ता है। मातृ शक्ति के महात्म को देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी बखूबी समझते हैं और इसलिए वो 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' योजना लेकर आते हैं। अर्थात् हमें बेटियों को संरक्षित करने और पढ़ा लिखा कर समर्थ बनाने की आवश्यकता है।

महिला साक्षरता एक ऐसा विषय है जो समाज की प्रगति और विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। महिला साक्षरता का मतलब है महिलाओं को शिक्षा के अवसर प्रदान करना ताकि वे अपने अधिकारों और कर्तव्यों को समझ सकें और समाज में समान भागीदारी कर सकें। एक साक्षर महिला न केवल अपनी जिंदगी को सुधार सकती है, बल्कि पूरे परिवार और समाज को भी बेहतर दिशा दे सकती है। इस प्रकार शिक्षा के माध्यम से महिलाएं न सिर्फ अपने भविष्य का निर्माण करती हैं बल्कि वे परिवार, समाज और अंततः देश के निर्माण में योगदान देती हैं।

शिक्षा का अधिकार हर व्यक्ति का है, फिर चाहे वह पुरुष हो या महिला। महिला साक्षरता समाज की प्रगति की कुंजी है। जब महिलाएं शिक्षित होती हैं तो वे अपने परिवार के स्वास्थ्य, वित्तीय स्थिति और बच्चों की शिक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

आर्थिक सशक्तिकरण, समाज में महिलाओं की स्थिति में सुधार और बच्चों के भविष्य के लिए शिक्षा अत्यंत आवश्यक है। एक शिक्षित महिला ने केवल खुद को मजबूत बनाती है, बल्कि अपने समाज को भी एक नई दिशा देती है और इस प्रकार राष्ट्र निर्माण में योगदान देती है।

महिला साक्षरता सिर्फ एक व्यक्तिगत अधिकार नहीं, बल्कि एक सामूहिक जिम्मेदारी है। एक शिक्षित महिला न केवल अपने अधिकारों और कर्तव्यों को समझती है, बल्कि वह अपने

परिवार और समाज के लिए भी एक प्रेरणा का स्रोत बनती है। शिक्षा से महिलाएं अपने भविष्य को बेहतर बना सकती हैं, और साथ ही समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकती हैं।

हम जानते हैं कि शिक्षा का अभाव महिलाओ को सामाजिक और आर्थिक रुप से पीछे रखता है। अनपढ़ महिलाएं स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार के अवसरों से वंचित रहती हैं। इसका असर न केवल उनके जीवन पर, बल्कि उनके बच्चों के भविष्य और पूरे समाज पर पड़ता है। इसलिए महिला साक्षरता को बढ़ावा देना समाज के विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है।

महिला साक्षरता की दिशा में कई कदम उठाए गए हैं, लेकिन अब भी बहुत किया जाना बाकी है। ग्रामीण क्षेत्रों में जहाँ शिक्षा की पहुंच अभी भी सीमित है, वहां विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हर महिला को शिक्षा के समान अवसर प्राप्त हों, चाहे उसकी आर्थिक स्थिति कैसी भी हो। हमारे परिवार और समाज की बंदिशें महिलाओं की उच्च शिक्षा तक पहुंच को रोकती हैं। ऐसे में मुक्त विश्वविद्यालय के रुप में हम शिक्षा को शिक्षार्थी के घर तक पहुंचाते हैं। हमारी शिक्षा पद्धति शिक्षार्थी उन्मुख है। इसमें समय की बाध्यता नहीं है। उम्र की सीमा नहीं है। हमारे प्रवेश वर्तमान में चल रहे हैं। आप सब इसमें प्रवेश ले सकते हैं।

शिक्षा मात्र एक डिग्री या प्रमाण पत्र नहीं होनी चाहिए। वास्तविक शिक्षा वह है जो हमारे जीवन में गुणात्मक परिवर्तन करे। हमारे माननीय कुलपति प्रो0 सत्यकाम जी के निर्देशन मे हम बहुत जल्द कौशल विकास के विभिन्न कार्यक्रमों का संचालन करने वाले हैं जिसमें हमारा प्रयास होगा कि हम ग्रामीण महिलाओं को प्रशिक्षित कर उन्हें आर्थिक रुप से स्वावलंबी बना सकें और उनके जीवन में गुणवत्तापरक योगदान दे सकें।

इसके लिए हमें सरकारी योजनाओं, गैर–सरकारी संगठनों और सामुदायिक प्रयासों का समर्थन करना होगा। शिक्षा के महत्व को लोगों के बीच प्रचारित करना होगा और समाज के सभी वर्गो को इसमें शामिल करना होगा।

साथ ही, हमें महिलाओं की शिक्षा को एक सामाजिक जिम्मेदारी के रुप में देखना होगा। परिवार और समाज दोनों को यह समझना होगा कि एक शिक्षित महिला ही अपने परिवार को सही दिशा दे सकती है और समाज को एक नई दिशा दिखा सकती है।

अंत में, मै यही कहूंगा कि महिला साक्षरता सिर्फ एक व्यक्तिगत लाभ नहीं है, बल्कि यह समाज के समग्र विकास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, चलिए हम सब मिलकर इस दिशा में प्रयास करें ताकि हर महिला को उसके सपनों को पूरा करने का अवसर मिल सके और समाज की समृद्धि की दिशा में एक कदम और बढ़ सके।

डॉ. त्रिविक्रम तिवारी
सहायक– प्रभारी,
महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

समाचार पत्र की सुर्खियां

Vol. 17 Issue 60 Daily pages - 8 Rs. 1.00 Morning Edition Prayagraj
PRAYAGRAJ THURSDAY, 05 SEPTEMBER 2024 WEBSITE : www.jeevanexpress.in RNI NO.- UPENG/2008/25430

JEEVAN EXPRESS

EDITORIAL NEWSCAST SPORT

Rural women can uplift their families through skill training - Seema Satyakam

JEEVAN EXPRESS NEWS

PRAYAGRAJ: The Centre for Women's Studies and Extended Activities of the Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj, Uttar Pradesh, organised a literacy awareness programme on the eve of Teachers' Day under the Beti Bachao Beti Padhao programme at the Mohanganj Fulwaria Anganwadi Centre in Gohari village, adopted by the Science Vidya branch, on Wednesday.

The chief guest of the awareness program, Mrs. Seema Satyakam said that women can develop their families by taking benefit from skill-related education and training programs. She said that if women are educated and trained, then their families and the women of the surrounding villages will also benefit from it. This will lead to development of rural women and they will be empowered. She motivated the rural women to advance the education of their daughters. Mrs. Seema Satyakam discussed with Anganwadi center workers Priyanka Pandey, Sunita Devi and assistants Rajkumari, Shanti

Devi as well as women from the rural area about their education and skills and other topics.

Professor Shruti, incharge of Women's Studies and Extended Activities Centre and programme coordinator, distributed diaries, pens etc. to Anganwadi workers, assistants and the women and children present there. Professor Shruti made the rural women aware of the importance of education. She said that the role of an educated woman helps in making the society strong and developed.

Assistant in-charge of the centre and main speaker of the programme Dr Trivikram Tiwari motivated them to join the university and told them in detail about the Beti Bachao Beti Padhao programme being run by the government. He said that an educated woman can herself pay attention to the education of her children. Literacy of women and daughters helps in the progress of the coming generations. Society and nation will also progress if they become literate. Assistant in-charge of the centre Dr Sadhana Srivastava gave the vote of thanks. On this occasion Professor Shruti, Dr Anandanand Tripathi, Dr Sadhana Srivastava, Dr Trivikram Tiwari, Rajesh Gautam, Dr Anil Kumar Yadav, Dr Dharamvir Singh, Dr Deepa Chaubey, Dr Deep Mala Gupta and teachers of Gohari Primary School and women and children of rural areas etc. were present.

Daily News
VOL. 02 NO. 358 MORNING EDITION PRAYAGRAJ
THURSDAY, 05 SEPTEMBER 2024, PAGES 4, PRICE RS. 1.00
Padhiye Dil Aur Shan Se....

SANYAM BHARAT

EDIT PRAYAGRAJ NATION

Rural women can improve their family via skill training: Seema Satyakam

SANYAM BHARAT CORRESPONDENT

Prayagraj: Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University Prayagraj's Women's Studies and Extended Activity Center on Wednesday at Mohanganj Phulwaria Anganwadi Center of village Gohri, adopted by Vigyan Vidya branch. Under the Beti Bachao Beti Padhao program, a literacy awareness program was organized on the eve of Teacher's Day. Seema Satyakam, the chief guest of the awareness program, said that women can improve their families by getting benefits from skill-related education and training programs. . He said that if women are educated and trained, their families and the women of nearby villages will also benefit from it. Due to which rural women will also develop and become empowered. She inspired rural women to further their daughters' education. Mrs. Seema Satyakam discussed their education and skills and other topics with Anganwadi Center workers Priyanka Pandey, Sunita Devi and assistants Rajkumari, Shanti Devi as well as women of rural areas. Incharge and program coordinator of Women's Study and Extended Activity Center Professor Shruti distributed diaries, pens etc. to the Anganwadi workers, helpers and the women and children present there. Professor Shruti made rural women aware of the importance of education.

He said that the role of an educated woman is helpful in strengthening and developing the society. Dr. Trivikram Tiwari, assistant in-charge of the center and keynote speaker of the program, inspired them to join the university and explained in detail about the Beti Bachao Beti Padhao program being run by the government. He said that an educated woman can focus on the education of her children herself. Literacy of women and daughters helps in the progress of the coming generations. With their becoming literate, society and nation will also progress. The vote of thanks was given by Dr. Sadhna Srivastava, assistant in-charge of the centre. On this occasion, Professor Shruti, Dr. Anandanand Tripathi, Dr. Sadhna Srivastava, Dr. Trivikram Tiwari, Rajesh Gautam, Dr. Anil Kumar Yadav, Dr. Dharamvir Singh, Dr. Deepa Chaubey, Dr. Deep Mala Gupta and teachers of Gohari Primary School and women from rural areas and Children etc. were present.

PUBLIC NOTICE

Whom so ever it may concern the original allotment letter dated 03.12.2012 and possession letter dated 01.04.2013 of the property Flat No. 12/303 LIG (Second Floor) Budh Vihar Aavas Yojana Devghat Jhalwa, Pargana & Tehsil - Sadar, Prayagraj. Area - 40.83 Sq. Mtrs. which is chin document and has been lost and lodge the FIR and the property is going to mortgage before LICHFL, Allahabad, if anyone having objection may file the same within 07 days from the date of publication to the address mentioned as SOMIL SRIVASTAVA ADVOCATE through Bandhan Bank Ltd., Allahabad, Mobile No. 8299703468 and Merazuddin (Creadit Manager) Mobile No. 9696979863.

RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

कौशल प्रशिक्षण से परिवार को उन्नत बना सकती हैं ग्रामीण महिलाएं – सीमा सत्यकाम

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र द्वारा बुधवार को विज्ञान विद्या शाखा द्वारा गोद लिए गांव गोहरी के मोहनगंज फुलवरिया आंगनबाड़ी केंद्र में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षक दिवस के पूर्व दिवस पर साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जागरूकता कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती सीमा सत्यकाम ने कहा कि महिलाएं कौशल से संबंधित शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों से लाभ प्राप्त करके अपने परिवार को उन्नत बना सकती हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अगर शिक्षित प्रशिक्षित किया जाएगा तो उसका लाभ उनके परिवार तथा आसपास के गांव की महिलाओं को भी मिलेगा। जिससे ग्रामीण महिलाओं का भी विकास होगा और वह सशक्त होंगी। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं को बेटियों की शिक्षा आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। श्रीमती सीमा सत्यकाम ने आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकत्रियों प्रियंका पांडे, सुनीता देवी एवं सहायिकाओं राजकुमारी, शांति देवी के साथ-साथ ग्रामीण अंचल की महिलाओं से उनकी शिक्षा तथा कौशल एवं अन्य विषयों पर चर्चा की। महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र की प्रभारी एवं कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने आंगनबाड़ी के कार्यकर्त्रियों,सहायिकाओं तथा वहां उपस्थित महिलाओं एवं बच्चों को डायरी, पेन आदि वितरित किए। प्रोफेसर श्रुति ने ग्रामीण महिलाओं को शिक्षा के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि एक शिक्षित महिला की भूमिका समाज को सुदृढ़ एवं विकसित बनाने में सहायक होती है। केंद्र के सहायक प्रभारी एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ त्रिविक्रम तिवारी ने उन्हें विश्वविद्यालय से जुड़ने के लिए प्रेरित किया तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि एक पढ़ी-लिखी महिला अपने बच्चों की शिक्षा पर स्वयं ध्यान दे सकती है। महिलाओं एवं बेटियों की साक्षरता आने वाली पीढ़ियों की उन्नति में सहायक होती है। इनके साक्षर होने से समाज एवं राष्ट्र भी उन्नत होगा। धन्यवाद ज्ञापन केंद्र की सहायक प्रभारी डॉ साधना श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर श्रुति, डॉ आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ साधना श्रीवास्तव, डॉ त्रिविक्रम तिवारी, राजेश गौतम, डॉ अनिल कुमार यादव, डॉ धर्मवीर सिंह, डॉ दीपा चौबे, डॉ दीप माला गुप्ता तथा गोहरी प्राथमिक विद्यालय की अध्यापिकाएं एवं ग्रामीण अंचल की महिलाएं तथा बच्चे आदि उपस्थित रहे।

समय से पहले 'समय' पर नजर
नगर-संस्करण

न्यायाधीश

डाक रजिस्ट्रेशन नं.- ए.डी.34/2021-23

प्रयागराज, गुरूवार 05 सितम्बर,2024

कौशल प्रशिक्षण से परिवार को उन्नत बना सकती हैं ग्रामीण महिलाएं - सीमा सत्यकाम

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र द्वारा बुधवार को विज्ञान विद्या शाखा द्वारा गोद लिए गांव गोहरी के मोहनगंज फुलवरिया आंगनबाड़ी केंद्र में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षक दिवस के पूर्व दिवस पर साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।जागरूकता कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती सीमा सत्यकाम ने कहा कि महिलाएं कौशल से संबंधित शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों से लाभ प्राप्त करके अपने परिवार को उन्नत बना सकती हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अगर शिक्षित प्रशिक्षित किया जाएगा तो उसका लाभ उनके परिवार तथा आसपास के गांव की महिलाओं को भी मिलेगा। जिससे ग्रामीण महिलाओं का भी विकास होगा और वह सशक्त होंगी। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं को बेटियों की शिक्षा आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। श्रीमती सीमा सत्यकाम ने आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकत्रियों प्रियंका पांडे, सुनीता देवी एवं सहायिकाओं राजकुमारी, शांति देवी के साथ-साथ ग्रामीण अंचल की महिलाओं से उनकी शिक्षा तथा कौशल एवं अन्य विषयों पर चर्चा की।महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र की प्रभारी एवं कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने आंगनबाड़ी के कार्यकर्त्रियों,सहायिकाओं तथा वहां उपस्थित महिलाओं एवं बच्चों को डायरी, पेन आदि वितरित किए। प्रोफेसर श्रुति ने ग्रामीण महिलाओं को शिक्षा के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि एक शिक्षित महिला की भूमिका समाज को सुदृढ़ एवं विकसित बनाने में सहायक होती है। केंद्र के सहायक प्रभारी एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ त्रिविक्रम तिवारी ने उन्हें विश्वविद्यालय से जुड़ने के लिए प्रेरित किया तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि एक पढ़ी-लिखी महिला अपने बच्चों की शिक्षा पर स्वयं ध्यान दे सकती है। महिलाओं एवं बेटियों की साक्षरता आने वाली पीढ़ियों की उन्नति में सहायक होती है। इनके साक्षर होने से समाज एवं राष्ट्र भी उन्नत होगा। धन्यवाद ज्ञापन केंद्र की सहायक प्रभारी डॉ साधना श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर श्रुति, डॉ आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ साधना श्रीवास्तव, डॉ त्रिविक्रम तिवारी, राजेश गौतम, डॉ अनिल कुमार यादव, डॉ धर्मवीर सिंह, डॉ दीपा चौबे, डॉ दीप माला गुप्ता तथा गोहरी प्राथमिक विद्यालय की अध्यापिकाएं एवं ग्रामीण अंचल की महिलाएं तथा बच्चे आदि उपस्थित रहे।

R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/र
जुनून है सच लिखने का
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 13
अंक : 360
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
गुरुवार, 5 सितम्बर, 2024
मंत्र भारत
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज, लखनऊ एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं प्रतापगढ़, कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी, आजमगढ़ व गोरखपुर से प्रसारित

कौशल प्रशिक्षण से परिवार को उन्नत बना सकती हैं ग्रामीण महिलाएं - सीमा सत्यकाम

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र द्वारा बुधवार को विज्ञान विद्या शाखा द्वारा गोद लिए गांव गोहरी के मोहनगंज फुलवरिया आंगनबाड़ी केंद्र में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षक दिवस के पूर्व दिवस पर साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जागरूकता कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती सीमा सत्यकाम ने कहा कि महिलाएं कौशल से संबंधित शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों से लाभ प्राप्त करके अपने परिवार को उन्नत बना सकती हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अगर शिक्षित प्रशिक्षित किया जाएगा तो उसका लाभ उनके परिवार तथा आसपास के गांव की महिलाओं को भी मिलेगा। जिससे ग्रामीण महिलाओं का भी विकास होगा और वह सशक्त होंगी। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं को बेटियों की शिक्षा आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। श्रीमती सीमा सत्यकाम ने आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकत्रियों प्रियंका पांडे, सुनीता देवी एवं सहायिकाओं राजकुमारी, शांति देवी के साथ-साथ ग्रामीण अंचल की महिलाओं से उनकी शिक्षा तथा कौशल एवं अन्य विषयों पर चर्चा की।

महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र की प्रभारी एवं कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने आंगनबाड़ी के कार्यकर्त्रियों, सहायिकाओं तथा वहां उपस्थित महिलाओं एवं बच्चों को डायरी, पेन आदि वितरित किए। प्रोफेसर श्रुति ने ग्रामीण महिलाओं को शिक्षा के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि एक शिक्षित महिला की भूमिका समाज को सुदृढ़ एवं विकसित बनाने में सहायक होती है।

केंद्र के सहायक प्रभारी एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ त्रिविक्रम तिवारी ने उन्हें विश्वविद्यालय से जुड़ने के लिए प्रेरित किया तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि एक पढ़ी-लिखी महिला अपने बच्चों की शिक्षा पर स्वयं ध्यान दे सकती है। महिलाओं एवं बेटियों की साक्षरता आने वाली पीढ़ियों की उन्नति में सहायक होती है। इनके साक्षर होने से समाज एवं राष्ट्र भी उन्नत होगा। धन्यवाद ज्ञापन केंद्र की सहायक प्रभारी डॉ साधना श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर श्रुति, डॉ आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ साधना श्रीवास्तव, डॉ त्रिविक्रम तिवारी, राजेश गौतम, डॉ अनिल कुमार यादव, डॉ धर्मवीर सिंह, डॉ दीपा चौबे, डॉ दीप माला गुप्ता तथा गोहरी प्राथमिक विद्यालय की अध्यापिकाएं एवं ग्रामीण अंचल की महिलाएं तथा बच्चे आदि उपस्थित रहे।

प्रयाग प्रभात

वर्ष : 14 अंक : 99 आर.एन.आई.नं.- UPHIN/2009/42612 प्रयागराज, गुरुवार 05 सितम्बर 2024 पृष्ठ : 4 मूल्य : 2 रुपये

कौशल प्रशिक्षण से परिवार को उन्नत बना सकती हैं ग्रामीण महिलाएं – सीमा सत्यकाम

प्रयागराज ।। प्रयाग प्रभात न्यूज

प्रयागराज 04 सितंबर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्व विद्यालय के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र द्वारा बुधवार को विज्ञान विद्या शाखा द्वारा गोद लिए गांव गोहरी के मोहनगंज फुलवरिया आंगनबाड़ी केंद्र में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षक दिवस के पूर्व दिवस पर साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सीमा सत्यकाम ने कहा कि महिलाएं कौशल से संबंधित शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों से लाभ प्राप्त करके अपने परिवार को उन्नत बना सकती हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अगर शिक्षित प्रशिक्षित किया जाएगा तो उसका लाभ उनके परिवार तथा आसपास के गांव की महिलाओं को भी मिलेगा। जिससे ग्रामीण महिलाओं का भी विकास होगा और वह सशक्त होंगी। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं को बेटियों की शिक्षा आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। श्रीमती सीमा सत्यकाम ने आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकत्रियों प्रियंका पांडे, सुनीता देवी एवं सहायिकाओं राजकुमारी, शांति देवी के साथ–साथ ग्रामीण अंचल की महिलाओं से उनकी शिक्षा तथा कौशल एवं अन्य विषयों पर चर्चा की। महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र की प्रभारी एवं कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने आंगनबाड़ी के कार्यकर्त्रियों, सहायिकाओं तथा वहां उपस्थित महिलाओं एवं बच्चों को डायरी, पेन आदि वितरित किए। प्रोफेसर श्रुति ने ग्रामीण महिलाओं को शिक्षा के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि एक शिक्षित महिला की भूमिका समाज को सुदृढ़ एवं विकसित बनाने में सहायक होती है। केंद्र के सहायक प्रभारी एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ त्रिविक्रम तिवारी ने उन्हें विश्व विद्यालय से जुड़ने के लिए प्रेरित किया तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि एक पढ़ी–लिखी महिला अपने बच्चों की शिक्षा पर स्वयं ध्यान दे सकती है। महिलाओं एवं बेटियों की साक्षरता आने वाली पीढ़ियों की उन्नति में सहायक होती है। इनके साक्षर होने से समाज एवं राष्ट्र भी उन्नत होगा। धन्यवाद ज्ञापन केंद्र की सहायक प्रभारी डॉ साधना श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर श्रुति, डॉ आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ साधना श्रीवास्तव, डॉ त्रिविक्रम तिवारी, राजेश गौतम, डॉ अनिल कुमार यादव, डॉ धर्मवीर सिंह, डॉ दीपा चौबे, डॉ दीप माला गुप्ता तथा गोहरी प्राथमिक विद्यालय की अध्यापिकाएं एवं ग्रामीण अंचल की महिलाएं तथा बच्चे आदि उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता की पहली किरण का साथी
लखनऊ एवं कानपुर से प्रकाशित
स्वतंत्र भारत
शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं
मूल्य : 3 रुपये
epaper : epaper.swatantrabharat.net
web portal : swatantrabharat.net

'परिवार को उन्नत बना सकती हैं ग्रामीण महिलाए'

स्वतंत्र भारत ब्यूरो प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र द्वारा बुधवार को विज्ञान विद्या शाखा द्वारा गोद लिए गांव गोहरी के मोहनगंज फुलवरिया आंगनबाड़ी केंद्र में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षक दिवस के पूर्व दिवस पर साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जागरूकता कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती सीमा सत्यकाम ने कहा कि महिलाएं कौशल से संबंधित शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों से लाभ प्राप्त करके अपने परिवार को उन्नत बना सकती हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अगर शिक्षित प्रशिक्षित किया जाएगा तो उसका लाभ उनके परिवार तथा आसपास के गांव की महिलाओं को भी मिलेगा। जिससे ग्रामीण महिलाओं का भी विकास होगा और वह सशक्त होंगी। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं को बेटियों की शिक्षा आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। श्रीमती सीमा सत्यकाम ने आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकत्रियों प्रियंका पांडे, सुनीता देवी एवं सहायिकाओं राजकुमारी, शांति देवी के साथ-साथ ग्रामीण अंचल की महिलाओं से उनकी शिक्षा तथा कौशल एवं अन्य विषयों पर चर्चा की।

दैनिक
वर्ष - 48 अंक - 247 प्रयागराज, गुरुवार 5 सितंबर 2024 पृष्ठ - 12 मूल्य - 3.50 रुपए
अमृत प्रभात
जनता के साथ जनता की आवाज

कौशल प्रशिक्षण से परिवार को उन्नत बना सकती हैं ग्रामीण महिलाएं

अमृत प्रभात, फाफामऊ (नि.सं.)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र द्वारा बुधवार को विज्ञान विद्या शाखा द्वारा गोद लिए गांव गोहरी के मोहनगंज फुलवरिया आंगनबाड़ी केंद्र में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम वा शिक्षक दिवस के पूर्व दिवस पर साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सीमा सत्यकाम ने कहा कि महिलाएं कौशल से संबंधित शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों से लाभ प्राप्त करके अपने परिवार को उन्नत बना सकती हैं। तो उसका लाभ उनके परिवार तथा आसपास के गांव की महिलाओं को भी मिलेगा। जिससे ग्रामीण महिलाओं का भी विकास होगा। बेटियों की शिक्षा आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। सीमा सत्यकाम ने आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकत्रियों प्रियंका पांडे, सुनीता देवी एवं सहायिकाओं राजकुमारी, शांति देवी के साथ–साथ ग्रामीण अंचल की महिलाओं से उनकी शिक्षा तथा कौशल एवं अन्य विषयों पर चर्चा की।संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों, सहायिकाओं तथा वहां उपस्थित महिलाओं एवं बच्चों को डायरी, पेन आदि वितरित किए। उन्होंने कहा कि एक शिक्षित महिला की भूमिका समाज को सुदृढ़ एवं विकसित बनाने में सहायक होती है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ त्रिविक्रम तिवारी ने उन्हें विश्वविद्यालय से जुड़ने के लिए प्रेरित किया तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि एक पढ़ी–लिखी महिला अपने बच्चों की शिक्षा पर स्वयं ध्यान दे सकती है। इस अवसर पर प्रोफेसर श्रुति, डॉ आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ साधना श्रीवास्तव, डॉ त्रिविक्रम तिवारी, राजेश गौतम, डॉ अनिल कुमार यादव, डॉ धर्मवीर सिंह, डॉ दीपा चौबे, डॉ दीप माला गुप्ता तथा गोहरी प्राथमिक विद्यालय की अध्यापिकाएं एवं ग्रामीण अंचल की महिलाएं तथा बच्चे आदि उपस्थित रहे।

R.N.I. NO-UPHIN/2023/84746
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
प्रयागराज से प्रकाशित
लक्ष्य समग्र
LS NEWS
वर्ष : 02 अंक : 157 प्रयागराज, गुरूवार 05 सितम्बर 2024 पृष्ठ : 08 मूल्य : 2.00 रूपया

कौशल प्रशिक्षण से परिवार को उन्नत बना सकती हैं ग्रामीण महिलाएं - सीमा सत्यकाम

लक्ष्य समग्र

प्रयागराज - उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र द्वारा बुधवार को विज्ञान विद्या शाखा द्वारा गोद लिए गांव गोहरी के मोहनगंज फुलवरिया आंगनबाड़ी केंद्र में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षक दिवस के पूर्व दिवस पर साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।जागरूकता कार्यक्रम की

मुख्य अतिथि सीमा सत्यकाम ने कहा कि महिलाएं कौशल से संबंधित शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों से लाभ प्राप्त करके अपने परिवार को उन्नत बना सकती हैं।उन्होंने कहा कि महिलाओं को अगर शिक्षित प्रशिक्षित किया जाएगा तो उसका लाभ उनके परिवार तथा आसपास के गांव की महिलाओं को भी मिलेगा।जिससे ग्रामीण महिलाओं का भी विकास होगा और वह सशक्त होंगी।उन्होंने ग्रामीण महिलाओं को बेटियों की शिक्षा आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।सीमा सत्यकाम ने आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकत्रियों प्रियंका पांडे,सुनीता देवी एवं सहायिकाओं राजकुमारी,शांति देवी के साथ-साथ ग्रामीण अंचल की महिलाओं से उनकी शिक्षा तथा कौशल एवं अन्य विषयों पर चर्चा की।महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र की प्रभारी एवं कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने आंगनबाड़ी के कार्यकर्त्रियों, सहायिकाओं तथा वहां उपस्थित महिलाओं एवं बच्चों को डायरी,पेन आदि वितरित किए। प्रोफेसर श्रुति ने ग्रामीण महिलाओं को शिक्षा के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि एक शिक्षित महिला की भूमिका समाज को सुदृढ़ एवं विकसित बनाने में सहायक होती है।केंद्र के सहायक प्रभारी एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ० त्रिविक्रम तिवारी ने उन्हें विश्वविद्यालय से जुड़ने के लिए प्रेरित किया तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया।उन्होंने कहा कि एक पढ़ी-लिखी महिला अपने बच्चों की शिक्षा पर स्वयं ध्यान दे सकती है।महिलाओं एवं बेटियों की साक्षरता आने वाली पीढ़ियों की उन्नति में सहायक होती है।इनके साक्षर होने से समाज एवं राष्ट्र भी उन्नत होगा।धन्यवाद ज्ञापन केंद्र की सहायक प्रभारी डॉ० साधना श्रीवास्तव ने किया।इस अवसर पर प्रोफेसर श्रुति,डॉ० आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ० साधना श्रीवास्तव,डॉ०त्रिविक्रम तिवारी,राजेश गौतम,डॉ० अनिल कुमार यादव,डॉ० धर्मवीर सिंह,डॉ० दीपा चौबे,डॉ० दीप माला गुप्ता तथा गोहरी प्राथमिक विद्यालय की अध्यापिकाएं एवं ग्रामीण अंचल की महिलाएं तथा बच्चे आदि उपस्थित रहे।

पायनियर
लखनऊ, गुरुवार 5 सितंबर 2024

कौशल प्रशिक्षण से परिवार को उन्नत बना सकती हैं ग्रामीण महिलाएंः सीमा सत्यकाम

संवाददाता। प्रयागराज

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र द्वारा बुधवार को विज्ञान विद्या शाखा द्वारा गोद लिए गांव गोहरी के मोहनगंज फुलवरिया आंगनबाड़ी केंद्र में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षक दिवस के पूर्व दिवस पर साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जागरूकता कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सीमा सत्यकाम ने कहा कि महिलाएं कौशल से संबंधित शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों से लाभ प्राप्त करके अपने परिवार को उन्नत बना सकती हैं।

उन्होंने कहा कि महिलाओं को अगर शिक्षित प्रशिक्षित किया जाएगा तो उसका लाभ उनके परिवार तथा आसपास के गांव की महिलाओं को भी मिलेगा। जिससे ग्रामीण महिलाओं का भी विकास होगा और वह सशक्त होंगी। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं को बेटियों की शिक्षा आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। सीमा सत्यकाम ने आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकत्रियों प्रियंका पांडेय सुनीता देवी एवं सहायिकाओं राजकुमारी शांति देवी के साथ साथ ग्रामीण अंचल की महिलाओं से उनकी शिक्षा तथा कौशल एवं अन्य विषयों पर चर्चा की।

महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र की प्रभारी एवं कार्यक्रम संयोजक प्रो श्रुति ने आंगनबाड़ी के कार्यकर्त्रियों सहायिकाओं तथा वहां उपस्थित महिलाओं एवं बच्चों को डायरी पेन आदि वितरित किए। प्रो श्रुति ने ग्रामीण महिलाओं को शिक्षा के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि एक शिक्षित महिला की भूमिका समाज को सुदृढ़ एवं विकसित बनाने में सहायक होती है। केंद्र के सहायक प्रभारी एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ त्रिविक्रम तिवारी ने उन्हें विश्वविद्यालय से जुड़ने के लिए प्रेरित किया तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया।

● वर्ष : 17
● अंक : 209
● प्रातः कालीन संस्करण
● लखनऊ
● गुरुवार, 05 सितम्बर 2024
● पृष्ठ : 08
● मूल्य : 3 रुपए
www.tijaratnews.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
तिजारत

कौशल प्रशिक्षण से परिवार को उन्नत बना सकती हैं ग्रामीण महिलाएंः सीमा सत्यकाम

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र द्वारा बुधवार को विज्ञान विद्या शाखा द्वारा गोद लिए गांव गोहरी के मोहनगंज फुलवरिया आंगनबाड़ी केंद्र में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षक दिवस के पूर्व दिवस पर साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जागरूकता कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सीमा सत्यकाम ने कहा कि महिलाएं कौशल से संबंधित शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों से लाभ प्राप्त करके अपने परिवार को उन्नत बना सकती हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अगर शिक्षित प्रशिक्षित किया जाएगा तो उसका लाभ उनके परिवार तथा आसपास के गांव की महिलाओं को भी मिलेगा। जिससे ग्रामीण महिलाओं का भी विकास होगा और वह सशक्त होंगी। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं को बेटियों की शिक्षा आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। श्रीमती सीमा सत्यकाम ने आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकत्रियों प्रियंका पांडे, सुनीता देवी एवं सहायिकाओं राजकुमारी, शांति देवी के साथ-साथ ग्रामीण अंचल की महिलाओं से उनकी शिक्षा तथा कौशल एवं अन्य विषयों पर चर्चा की।महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र की प्रभारी एवं कार्यक्रम संयोजक प्रो. श्रुति ने आंगनबाड़ी के कार्यकर्त्रियों,सहायिकाओं तथा वहां उपस्थित महिलाओं एवं बच्चों को डायरी, पेन आदि वितरित किए। प्रोफ़ेसर श्रुति ने ग्रामीण महिलाओं को शिक्षा के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि एक शिक्षित महिला की भूमिका समाज को सुदृढ़ एवं विकसित बनाने में सहायक होती है। केंद्र के सहायक प्रभारी एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ त्रिविक्रम तिवारी ने उन्हें विश्वविद्यालय से जुड़ने के लिए प्रेरित किया तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया।धन्यवाद ज्ञापन केंद्र की सहायक प्रभारी डॉ साधना श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर प्रोफ़ेसर श्रुति, डॉ आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ साधना श्रीवास्तव, डॉ त्रिविक्रम तिवारी, राजेश गौतम, डॉ अनिल कुमार यादव, डॉ धर्मवीर सिंह, डॉ दीपा चौबे, डॉ दीप माला गुप्ता तथा गोहरी प्राथमिक विद्यालय की अध्यापिकाएं एवं ग्रामीण अंचल की महिलाएं तथा बच्चे आदि उपस्थित रहे।

वर्षों से राष्ट्र की सेवा में समर्पित
वीर अर्जुन
विविध : विग वी की मुरीद हुई श्रद्धा कपूर * लखनऊ, नई दिल्ली एवं देहरादून से प्रकाशित
E-mail : virarjunlko@gmail.com Website : www.virarjun.com E-Paper : www.epapervirarjun.com
लखनऊ, गुरुवार 5 सितंबर 2024

कौशल प्रशिक्षण से परिवार को उन्नत बना सकती हैं ग्रामीण महिलाएंः सीमा सत्यकाम

प्रयागराज ब्यूरो। ,उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र द्वारा बुधवार को विज्ञान विद्या शाखा द्वारा गोद लिए गांव गोहरी के मोहनगंज फुलवरिया आंगनबाडी केंद्र में बेटी बचाओ बेटी पढाओ कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षक दिवस के पूर्व दिवस पर साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जागरूकता कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सीमा सत्यकाम ने कहा कि महिलाएं कौशल से संबंधित शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों से लाभ प्राप्त करके अपने परिवार को उन्नत बना सकती है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अगर शिक्षित प्रशिक्षित किया जाएगा तो उसका लाभ उनके परिवार तथा आसपास के गांव की महिलाओं को भी मिलेगा। जिससे ग्रामीण महिलाओं का भी विकास होगा और वह सशक्त होगी। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं को बेटियों की शिक्षा आगे बढाने के लिए प्रेरित किया। श्रीमती सीमा सत्यकाम ने आंगनबाडी केंद्र की कार्यकत्रियों प्रियंका पांडे, सुनीता देवी एवं सहायिकाओं राजकुमारी, शांति देवी के साथ-साथ ग्रामीण अंचल की महिलाओं से उनकी शिक्षा तथा कौशल एवं अन्य विषयों पर चर्चा की। महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र की प्रभारी एवं कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने आंगनबाडी के कार्यकर्त्रियों,सहायिकाओं तथा वहां उपस्थित महिलाओं एवं बच्चों को डायरी, पेन आदि वितरित किए। प्रोफेसर श्रुति ने ग्रामीण महिलाओं को शिक्षा के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि एक शिक्षित महिला की भूमिका समाज को सुदृढ. एवं विकसित बनाने में सहायक होती है।

केंद्र के सहायक प्रभारी एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ त्रिविक्रम तिवारी ने उन्हें विश्वविद्यालय से जुडने के लिए प्रेरित किया तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही बेटी बचाओ बेटी पढाओ कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि एक पढी-लिखी महिला अपने बच्चों की शिक्षा पर स्वयं ध्यान दे सकती है। महिलाओं एवं बेटियों की साक्षरता आने वाली पीढ़ियों की उन्नति में सहायक होती है।

हिन्दी दैनिक

सहज स्वरूप

राष्ट्रीय एकता के प्रति पूर्ण समर्पित

प्रयागराज से प्रकाशित

सुविचार

मनुष्य को झूठ नहीं बोलना चाहिए परन्तु अनावश्यक रुप से अप्रिय सत्य भी न बोला जाय। अत्यधिक बोलने से वाणी की शक्ति और विश्वसनीयता नष्ट हो जाती है

शुभ प्रभात।

वर्ष: 3, अंक 243 | प्रयागराज गुरूवार 05 सितम्बर, 2024 | विक्रम संवत 2081, | प्रात: संस्करण, पृष्ठ:8, | मूल्य: 01 रूपया

कौशल प्रशिक्षण से परिवार को उन्नत बना सकती हैं ग्रामीण महिलाएं - सीमा सत्यकाम

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र द्वारा कुवार को विज्ञान विद्या शाखा द्वारा गोद लिए गांव गोहरी के मोहनगंज फुलवरिया आंगनबाड़ी केंद्र मे बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षक दिवस के पूर्व दिवस पर साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जागरूकता कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती सीमा सत्यकाम ने कहा कि महिलाएं कौशल से संबंधित शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमो से लाभ प्राप्त करके अपने परिवार को उन्नत बना सकती है। उन्होने कहा कि महिलाओ को अगर शिक्षित प्रशिक्षित किया जाएगा तो उसका लाभ उनके परिवार तथा आसपास के गांव की महिलाओ को भी मिलेगा। जिससे ग्रामीण महिलाओ का भी विकास होगा और वह सशक्त होगी। उन्होंने ग्रामीण महिलाओ को बेटियो की शिक्षा आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। श्रीमती सीमा सत्यकाम ने आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकत्रियों प्रियंका पांडे, सुनीता देवी एवं सहायिकाओ राजकुमारी, शांति देवी के साथ–साथ ग्रामीण अंचल की महिलाओ से उनकी शिक्षा तथा कौशल एवं अन्य विषयों पर चर्चा की।

महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र की प्रभारी एवं कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने आंगनबाड़ी के कार्यकर्तियों,सहायिकाओं तथा वहां उपस्थित महिलाओं एवं बच्चों को डायरी, पेन आदि वितरित किए। प्रोफेसर श्रुति ने ग्रामीण महिलाओं को शिक्षा के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि एक शिक्षित महिला की भूमिका समाज को सुदृढ़ एवं विकसित बनाने में सहायक होती है।

केंद्र के सहायक प्रभारी एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ त्रिविक्रम तिवारी ने उन्हें विश्वविद्यालय से जुड़ने के लिए प्रेरित किया तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि एक पढ़ी–लिखी महिला अपने बच्चों की शिक्षा पर स्वयं ध्यान दे सकती है। महिलाओं एवं बेटियों की साक्षरता आने वाली पीढ़ियों की उन्नति में सहायक होती है। इनके साक्षर होने से समाज एवं राष्ट्र भी उन्नत होगा। धन्यवाद ज्ञापन केंद्र की सहायक प्रभारी डॉ साधना श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर श्रुति, डॉ आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ साधना श्रीवास्तव, डॉ त्रिविक्रम तिवारी, राजेश गौतम, डॉ अनिल कुमार यादव, डॉ धर्मवीर सिंह, डॉ दीपा चौबे, डॉ दीप माला गुप्ता तथा गोहरी प्राथमिक विद्यालय की अध्यापिकाएं एवं ग्रामीण अंचल की महिलाएं तथा बच्चे आदि उपस्थित रहे।

हिन्दी दैनिक

वर्ष : 18 अंक : 166

नगर संस्करण,

पृष्ठ - 4,

मूल्य 1.00 रु0

संयम भारत

18 वर्षों से प्रगति के पथ पर अग्रसर

उत्तर प्रदेश | गुरूवार, 05 सितम्बर 2024 | प्रयागराज | विचार

कौशल प्रशिक्षण से परिवार को उन्नत बना सकती हैं ग्रामीण महिलाएं - सीमा सत्यकाम

संयम भारत संवाददाता

प्रयागराज,उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र द्वारा बुधवार को विज्ञान विद्या शाखा द्वारा गोद लिए गांव गोहरी के मोहनगंज फुलवरिया आंगनबाड़ी केंद्र में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षक दिवस के पूर्व दिवस पर साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जागरूकता कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सीमा सत्यकाम ने कहा कि महिलाएं कौशल से संबंधित शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों से लाभ प्राप्त करके अपने परिवार को उन्नत बना सकती हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अगर शिक्षित प्रशिक्षित किया जाएगा तो उसका लाभ उनके परिवार तथा आसपास के गांव की महिलाओं को भी मिलेगा। जिससे ग्रामीण महिलाओं का भी विकास होगा और वह सशक्त होंगी। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं को बेटियों की शिक्षा आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। श्रीमती सीमा सत्यकाम ने आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकत्रियों प्रियंका पांडे, सुनीता देवी एवं सहायिकाओं राजकुमारी, शांति देवी के साथ–साथ ग्रामीण अंचल की महिलाओं से उनकी शिक्षा तथा कौशल एवं अन्य विषयों पर चर्चा की। महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र की प्रभारी एवं कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने आंगनबाड़ी के कार्यकर्त्रियों,सहायिकाओं

तथा वहां उपस्थित महिलाओं एवं बच्चों को डायरी, पेन आदि वितरित किए। प्रोफेसर श्रुति ने ग्रामीण महिलाओं को शिक्षा के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि एक शिक्षित महिला की भूमिका समाज को सुदृढ़ एवं विकसित बनाने में सहायक होती है। केंद्र के सहायक प्रभारी एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ त्रिविक्रम तिवारी ने उन्हें विश्वविद्यालय से जुड़ने के लिए प्रेरित किया तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि एक पढ़ी–लिखी महिला अपने बच्चों की शिक्षा पर स्वयं ध्यान दे सकती है। महिलाओं एवं बेटियों की साक्षरता आने वाली पीढ़ियों की उन्नति में सहायक होती है। इनके साक्षर होने से समाज एवं राष्ट्र भी उन्नत होगा। धन्यवाद ज्ञापन केंद्र की सहायक प्रभारी डॉ साधना श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर श्रुति, डॉ आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ साधना श्रीवास्तव, डॉ त्रिविक्रम तिवारी, राजेश गौतम, डॉ अनिल कुमार यादव, डॉ धर्मवीर सिंह, डॉ दीपा चौबे, डॉ दीप माला गुप्ता तथा गोहरी प्राथमिक विद्यालय की अध्यापिकाएं एवं ग्रामीण अंचल की महिलाएं तथा बच्चे आदि उपस्थित रहे।

News Letter

मुक्त चिन्तन

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

मुक्त चिन्तन

04 सितम्बर, 2024

मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा साक्षरता जागरुकता कार्यक्रम

कौशल प्रशिक्षण से परिवार को उन्नत बना सकती हैं ग्रामीण महिलाएं – सीमा सत्यकाम

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र द्वारा बुधवार दिनांक 04 सितम्बर, 2024 को विज्ञान विद्या शाखा द्वारा गोद लिए गांव गोहरी के मोहनगंज फुलवरिया आंगनबाड़ी केंद्र में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षक दिवस के पूर्व दिवस पर साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जागरूकता कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती सीमा सत्यकाम ने कहा कि महिलाएं कौशल से संबंधित शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों से लाभ प्राप्त करके अपने परिवार को उन्नत बना सकती हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अगर शिक्षित प्रशिक्षित किया जाएगा तो उसका लाभ उनके परिवार तथा आसपास के गांव की महिलाओं को भी मिलेगा। जिससे ग्रामीण महिलाओं का भी विकास होगा और वह सशक्त होंगी। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं को बेटियों की शिक्षा आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। श्रीमती सीमा सत्यकाम ने आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकत्रियों प्रियंका पांडे, सुनीता देवी एवं सहायिकाओं राजकुमारी, शांति देवी के साथ–साथ ग्रामीण अंचल की महिलाओं से उनकी शिक्षा तथा कौशल एवं अन्य विषयों पर चर्चा की।

महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र की प्रभारी एवं कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने आंगनबाड़ी के कार्यकर्त्रियों,सहायिकाओं तथा वहां उपस्थित महिलाओं एवं बच्चों को डायरी, पेन आदि वितरित किए। प्रोफेसर श्रुति ने ग्रामीण महिलाओं को शिक्षा के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि एक शिक्षित महिला की भूमिका समाज को सुदृढ़ एवं विकसित बनाने में सहायक होती है।

केंद्र के सहायक प्रभारी एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ त्रिविक्रम तिवारी ने उन्हें विश्वविद्यालय से जुड़ने के लिए प्रेरित किया तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि एक पढ़ी–लिखी महिला अपने बच्चों की शिक्षा पर स्वयं ध्यान दे सकती है। महिलाओं एवं बेटियों की साक्षरता आने वाली पीढ़ियों की उन्नति में सहायक होती है। इनके साक्षर होने से समाज एवं राष्ट्र भी उन्नत होगा। धन्यवाद ज्ञापन केंद्र की सहायक प्रभारी डॉ साधना श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर श्रुति, डॉ आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ साधना श्रीवास्तव, डॉ त्रिविक्रम तिवारी, राजेश गौतम, डॉ अनिल कुमार यादव, डॉ धर्मवीर सिंह, डॉ दीपा चौबे, डॉ दीप माला गुप्ता तथा गोहरी प्राथमिक विद्यालय की अध्यापिकाएं एवं ग्रामीण अंचल की महिलाएं तथा बच्चे आदि उपस्थित रहे।

1

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

साक्षरता जागरुकता कार्यक्रम

संयोजक– महिला अध्ययन केन्द्र दिनांक 04.09.2024

आँगनबाड़ी केन्द्र: ओदरी, मोहनगंज फुलवरिया

कार्यकत्री का नाम: 1. प्रियंका पाण्डेय 2. सुनीता देवी

सहायिका का नाम: 1. राजकुमारी 2. शान्ती देवी

उपस्थिति प्रत्रक

क्र.सं.	नाम	पदनाम	हस्ताक्षर	सम्पर्क सूत्र
1.	नीरा	महिला		
2.	संगीता	महिला		
3.	रूपा	"		
4.	अन्नू देवी विश्वकर्मा	"		
5.	कविता मौर्या	"		
6.	शिवमूर्ती	"		
7.	कमला देवी	"		
8.	सपना मौर्या	"		
9.	मधू	"		
10.	महक	बच्ची		
11.	पलक	बेटी		
12.	मानवी	बेटा		
13.	रेयांश	बेटा		
14.	श्रेयांश	बेटा		
15.	राधिका	बेटी		
16.	प्रवीर	बेटा		
17.	अवनी	बेटी		
18.	अनन्या	बेटी		
19.	मीत	बेटा		
20.	स्मृति	बेटी		

प्रभारी
महिला अध्ययन केन्द्र

Scanned with OKEN Scanner

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

साक्षरता जागरुकता कार्यक्रम

संयोजक– महिला अध्ययन केन्द्र | दिनांक 04.09.2024

ऑगनबाड़ी केन्द्र: कोटरी, मोहनगंज फुलवरिया

कार्यकत्री का नाम: 1. प्रियंका पाण्डेय | 2. सुनीता देवी

सहायिका का नाम: 1. राजकुमारी | 2. शांति देवी

उपस्थिति प्रत्रक

क्र.स.	नाम	पदनाम	हस्ताक्षर	सम्पर्क सूत्र
1.	जीवन	बेटा		
2.	अनीता	बेटी		
3.	आदिति	बेटी		
4.	प्रांजी	बेटी		
5.	सुधीर	बेटा		
6	अंशांश	बेटा		
7.	शिवंशी	बेटी		
8.	साक्षी	बेटी		
9.	सुषमा	महिला		
10.	प्रभास कुमारी	महिला		
11.	शिवानी	महिला		
12.	कुनाल	बेटा		
12.	गोलू	बेटा		
14.	डा० दीपमाला गुप्ता	असिस्टेंट प्रोफेसर	Dgupta	
15.	डा० अनिल कुमार यादव	सहा० आचार्य (ECO)	Anil Kumar Yadav	
16.	डा० साधना श्रीवास्तव	सह० आचार्य (JMC)	Sadhana	
17.	Prof. Shruti	Prof	[signature]	
18.	Rajesh Kr Gautam	Asst. Professor	[signature]	
19.	डा० त्रिविक्रम तिवारी	Asstt. Prof.	[signature]	
20.	डा० आनन्दा नन्द त्रिपाठी	सह० आचार्य	[signature]	

[signature]

प्रभारी

महिला अध्ययन केन्द्र

Scanned with OKEN Scanner

(3)

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

स्वास्थ्य जागरुकता कार्यक्रम

संयोजक– महिला अध्ययन केन्द्र

दिनांक 04.09.2024.

आँगनबाडी केन्द्रः गोहरी, मोहनगंज फुलवरिया

कार्यकत्री का नामः 1. प्रियंका पाण्डेय 2. सुनीता देवी

सहायिका का नामः 1. राजकुमारी 2. शांति देवी

उपस्थिति प्रत्रक

क्र.सं.	नाम	पदनाम	हस्ताक्षर	सम्पर्क सूत्र
1.	डॉ दीपा चौबे	सहा० आचार्य (Zoology)	[signature]	
2.	डॉ धर्मवीर सिंह	" "	[signature]	9415024533
3.	शांति मिश्रा		[signature]	
4.	अनिल शर्मा		[signature]	
5.	अनूप कुमार		[signature]	
6.	सन्तोष कुमार		[signature]	
7.	वीरेन्द्र कुमार वर्मा		[signature]	9026323476
8.				
9.				
10.				
11.				
12.				
13.				
14.				
15.				
16.				
17.				
18.				
19.				
20.				

[signature]

प्रभारी

महिला अध्ययन केन्द्र

Scanned with OKEN Scanner

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

विश्वविद्यालय परिसर, शान्तिपुरम (सेक्टर–एफ), फाफामऊ
प्रयागराज – 211021

कुलसचिव

मो. : 7525048031
ई-मेल : registrar.uprtou@gmail.com

पत्राँक : ओ.यू./ 852 /2024

दिनाँक 03–09–2024

सेवा में,

बाल विकास परियोजना अधिकारी
जनपद – प्रयागराज

महोदय,

अवगत कराना है कि इस विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र के तत्वावधान में गोहरी, प्राथमिक विद्यालय, गोहरी प्रयागराज में स्थित आँगनबाडी केन्द्र में दिनाँक 04 सितम्बर, 2024 को **'साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम'** का आयोजन सुनिश्चित हुआ है।

अतः अनुरोध है कि कृपया उक्त कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु सम्बन्धित आँगनबाड़ी को अपने स्तर से निर्देशित करने का कष्ट करें।

भवदीय,

(विनय कुमार)
कुलसचिव

पृ. संख्या : ओ.यू./ /2024 तद् दिनाँक

प्रतिलिपि – प्रो. श्रुति, प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र, उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।

(विनय कुमार)
कुलसचिव

Gohari, Uttar Pradesh, India
HV35+M58, Santipuram Gohri Rd, Gohari, Uttar Pradesh 21101
Lat 25.55486°
Long 81.85733°
04/09/24 11:26 AM GMT +05:30

Gohari, Uttar Pradesh, India
HV35+M58, Santipuram Gohri Rd, Gohari, Uttar Pradesh 21101
Lat 25.554856°
Long 81.857326°
04/09/24 11:26 AM GMT +05:30

Gohari, Uttar Pradesh, India
HV35+M58, Santipuram Gohri Rd, Gohari, Uttar Pradesh 21101
Lat 25.554852°
Long 81.857322°
04/09/24 11:37 AM GMT +05:30

Gohari, Uttar Pradesh, India
HV35+M58, Santipuram Gohri Rd, Gohari, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 25.55486°
Long 81.85733°
04/09/24 11:26 AM GMT +05:30

Gohari, Uttar Pradesh, India
HV35+M58, Santipuram Gohri Rd, Gohari, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 25.554848°
Long 81.857361°
04/09/24 11:37 AM GMT +05:30

Gohari, Uttar Pradesh, India
HV35+M58, Santipuram Gohri Rd, Gohari, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 25.55486°
Long 81.857307°
04/09/24 11:14 AM GMT +05:30

Gohari, Uttar Pradesh, India
HV35+M58, Santipuram Gohri Rd, Gohari, Uttar Pradesh 21101
Lat 25.55489°
Long 81.857293°
04/09/24 11:18 AM GMT +05:30

GPS Ma
Gohari, Uttar Pradesh, India
HV35+M58, Santipuram Gohri Rd, Gohari, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 25.554842°
Long 81.857333°
04/09/24 11:07 AM GMT +05:30

GPS Ma
गोहारी, उत्तर प्रदेश, भारत
HV35+M58, संतिपुरम गोहरी मार्ग, गोहारी, उत्तर प्रदेश 211013, भारत
Lat 25.554699°
Long 81.857882°
04/09/24 10:56 AM GMT +05:30

GPS Ma
Gohari, Uttar Pradesh, India
HV35+M58, Santipuram Gohri Rd, Gohari, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 25.554575°
Long 81.857886°
04/09/24 10:59 AM GMT +05:30

GPS Map Camera
Gohari, Uttar Pradesh, India
HV35+M58, Santipuram Gohri Rd, Gohari, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 25.554575°
Long 81.857886°
04/09/24 10:59 AM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Gohari, Uttar Pradesh, India
HV35+M58, Santipuram Gohri Rd, Gohari, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 25.554588°
Long 81.857898°
04/09/24 10:57 AM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Gohari, Uttar Pradesh, India
HV35+M58, Santipuram Gohri Rd, Gohari, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 25.554849°
Long 81.857732°
04/09/24 11:04 AM GMT +05:30
Google

GPS Ma
Gohari, Uttar Pradesh, India
HV35+M58, Santipuram Gohri Rd, Gohari, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 25.554852°
Long 81.857316°
04/09/24 11:06 AM GMT +05:30

GPS Ma
Gohari, Uttar Pradesh, India
HV35+M58, Santipuram Gohri Rd, Gohari, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 25.554852°
Long 81.857316°
04/09/24 11:06 AM GMT +05:30

GPS Ma
Gohari, Uttar Pradesh, India
HV35+M58, Santipuram Gohri Rd, Gohari, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 25.554854°
Long 81.857324°
04/09/24 11:05 AM GMT +05:30